“ आज उत्तर प्रदेश निवेश के लिए लोगों की पसंद बन रहा है। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण लोगों को सुविधा हो रही है। यूपी के कोने-कोने को चौड़ी सड़कों व आधुनिक एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का काम चल रहा है। ”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

03 लाख करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाएं क्रियांवित

56 हजार करोड़ रुपये का विदेशी निवेश कोरोना कालखंड में हुआ

4.10 लाख आवेदनों का निवेश मित्र पोर्टल पर निस्तारण

11933 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश डिफेंस कॉरिडोर में

“ उत्तर प्रदेश में औद्योगिक और व्यवसायिक गतिविधियों को संचालित करने की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। राज्य में विदेशों से निवेश आकर्षित करने के लिए सकारात्मक माहौल स्थापित किया गया है। ”

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ब्रांड यूपी पर निवेशकों का भरोसा

बीते साढ़े चार वर्षों में नई कार्य संस्कृति के चलते उत्तर प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे पायदान पर पहुंचा है। सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के मामले में कई राज्यों को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। प्रत्येक गांव व जनपद स्वावलम्बी बने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और समृद्ध हो इस उद्देश्य से 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' को आगे बढ़ाया गया है।

अर्थव्यवस्था का 'पॉवर इंजन' कही जाने वाली लाखों एमएसएमई इकाईयों को वित्तीय सुविधा प्रदान कर गति प्रदान की गई है। योगी सरकार के इस कदम से आर्थिक विकास को गति मिली और रोजगार के अवसरों में वृद्धि भी हुई है।

औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति (2017) के साथ 20 से अधिक क्षेत्र-विशिष्ट निवेशोन्मुखी नीतियों के पारदर्शी कार्यान्वयन से राज्य सरकार रोजगार सृजन के लिए निवेश और 'मेक इन यूपी' को बढ़ावा दे रही है

यह नये भारत के नये एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की झलक है।

यूपी में पांच नए एक्सप्रेस-वे

राकेश शर्मा

किसी भी राज्य की तरक्की की पहचान उसके बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर से होती है, जितना बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी होगी, उतने ही बड़े पैमाने पर निवेश आता है और विकास के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के साधन उत्पन्न होते हैं। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में एक्सप्रेस-वे का ऐसा जाल बिछाने का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है, जो प्रदेश की जनता को बेहतरीन सड़कों के अलावा विकास की अपार संभावनाओं से जोड़ देगा।

मार्च, 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार के सत्ता में आने से पहले प्रदेश में केवल दो एक्सप्रेस-वे ही मौजूद थे, किंतु पिछले चार वर्षों में विकास की दौड़ में किए जा रहे प्रयास साफ दिखाई दे रहे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तैयार हो चुका है जिसका अगले माह उद्घाटन होना प्रस्तावित है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का कार्य 80% से अधिक हो चुका है तथा यह वर्ष के अंत तक तैयार हो जायेगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का कार्य लगभग 40% प्रतिशत हो चुका है। गंगा एक्सप्रेस-वे हेतु जमीन का अधिग्रहण कार्य किया जा चुका है।

उत्तर प्रदेश, एक्सप्रेस-वे के निर्माण की दृष्टि से पूरे देश में नंबर एक प्रदेश हो गया है और इतने बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में रोजगार सृजित हुए हैं।

17 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

विदेशी कंपनियों खासतौर से अमेरिकी कंपनियां निवेश के लिये उत्तर प्रदेश में खासी दिलचस्पी दिखा रही हैं। 40 से अधिक विदेशी कंपनियों ने 17000 करोड रुपये का निवेश प्रस्ताव किया है। इनमें से अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी माइक्रोसॉफ्ट, पेप्सिको और एमएक्यू सॉफ्टवेयर ने अपनी यूनिट लगाने के लिये प्रदेश सरकार से जमीन ली है। माइक्रोसॉफ्ट और एमएक्यू सॉफ्टवेयर नोएडा में अपनी यूनिट लगायेंगे जबकि पेप्सिको ने मथुरा में उत्पादन शुरू कर दिया है।

देश दुनिया की सबसे बेहतरीन फिल्म सिटी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विशेष मुहिम से देश दुनिया को आधुनिक फिल्म तकनीक से युक्त अंतर्राष्ट्रीय स्तर की फिल्म सिटी की सौगात भी मिलेगी। अगले वर्ष के शुरूआती माह में फिल्म सिटी के निर्माण का कार्य शुरू करने की तैयारी है। इसका शिलान्यास भी जल्द होना है। तीन चरणों में विकसित की जाने वाली इस फिल्म सिटी के निर्माण पर 6,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। हॉलीवुड की तर्ज पर गौतमबुद्धनगर जिले में बनने वाली फिल्म सिटी में स्टूडियो, एम्यूजमेंट पार्क, विला आदि बनेंगे। करीब 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

ग्रेटर नोएडा में रिकॉर्ड निवेश

गौतमबुद्धनगर जनपद के ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बीते साढ़े चार वर्षों में रिकॉर्ड तोड़ निवेश आया है। निवेशक 26530 करोड़ रुपये का निवेश कर क्षेत्र में अपनी फैक्ट्री लगा रहे हैं। इन फैक्ट्रियों में 71500 से अधिक लोगों को स्थाई रोजगार मिलेगा। ओप्पो और वीवो के अलावा हीरानंदानी ग्रुप, ड्रीम्स टच इलेक्ट्रॉनिक्स, इनॉक्स एयर, लेमीप्लास्टिक मैनुफैक्चरिंग जैसी कंपनियां भी यहां निवेश कर रही है।

डिफेंस कॉरिडोर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूपी को 2018 में डिफेंस कॉरिडोर का तोहफा दिया था। इसके बाद सीएम ने इस परियोजना को ऐसी रफ्तार दी कि अब यहां ब्रह्मोस मिसाइल बनाने वाली कंपनी ने लखनऊ में दस्तक दे दी है। स्माल आर्म्स, एसॉल्ट-स्नाइपर राइफल और कार्बाइन के कारतूस बनाने के लिए कई कंपनियां हजारों करोड़ का निवेश अलीगढ़, कानपुर, झांसी नोड में करने जा रही हैं। उत्तर प्रदेश रक्षा उत्पाद निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम डिजाइन मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, वस्त्रोद्योग, पर्यटन और फिल्म आदि क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में पारंपरिक निवेश के अवसरों के अतिरिक्त सौर ऊर्जा, जैव ईंधन और नागरिक उड्डयन में उपलब्ध असीम संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिफेंस एवं एयरोस्पेस, वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन, फार्मास्युटिकल उद्योग जैसे सेक्टर अब राज्य में निवेश के नए केंद्र हैं। दादरी में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और बोडाकी में ट्रांसपोर्ट हब, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र को उत्तरी भारत के सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेंगे।

पांच अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला पहला राज्य होगा उत्तर प्रदेश

एयरपोर्ट के मामले में तो यूपी ने लंबी उड़ान भरनी शुरू कर दी है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया गया है। इस समय तीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट संचालित हैं। अयोध्या में श्रीराम अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के अलावा ललितपुर, आजमगढ़, मुरादाबाद आदि कई शहरों में भी हवाई अड्डा बनाया जाएगा। एशिया का सबसे बड़ा जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य गतिमान है। उत्तर प्रदेश के हवाई अड्डों से 75 प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवा है। उड़ान योजना को लेकर प्रधानमंत्री की मंशा थी कि हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करें, बेहतर हुई एयर कनेक्टिविटी से यह संभव हुआ है।

हिन्दुस्तान मीडिया मार्केटिंग इनीशिएटिव